IAS BABA

इंटीग्रेटेड लर्निंग प्रोग्राम (ILP)-2023

Your Road to Mussoorie...

VALUE ADD NOTES (SAMPLE)

www.iasbaba.com ilp@iasbaba.com 91691 91888

संरक्षित क्षेत्र नेटवर्क (PROTECTED AREA NETWORK)

संरक्षित क्षेत्र (protected area) एक स्पष्ट रूप से परिभाषित भौगोलिक स्थान होते हैं, ये भौगोलिक रूप से जीव जंतुओं के प्राकृतिक भू-भाग की रक्षा करने के मान्यता प्राप्त, समर्पित और प्रबंधित होते हैं, यह वैधानिक या अन्य प्रभावी साधनों के माध्यम से, संबद्ध पारिस्थितिक तंत्र की सेवाओं और सांस्कृतिक मूल्यों के साथ प्रकृति के दीर्घकालिक संरक्षण को प्राप्त करने के उद्देश्य से निर्मित होते है। (आईयूसीएन परिभाषा 2008)

संरक्षित क्षेत्र - राष्ट्रीय उद्यान, जंगल क्षेत्र, सामुदायिक संरक्षित क्षेत्र, प्रकृति रिजर्व और इसके अतिरिक्त यह जैव विविधता संरक्षण का एक मुख्य आधार है, जबकि यह, खासकर स्थानीय स्तर पर लोगों की आजीविका में भी योगदान देता है।

जलवायु परिवर्तन को कम करने और अनुकूल बनाने में भी इनकी भूमिका को तेजी से पहचान मिली है; यह अनुमान लगाया गया है कि संरक्षित क्षेत्रों का वैश्विक नेटवर्क कम से कम 15% स्थलीय कार्बन का भंडार है।

- 1970 में वन्यजीव संरक्षण के लिए एक राष्ट्रीय नीति अपनाने और 1972 में वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम को लागू करने से संरक्षित क्षेत्रों के नेटवर्क में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।
- इसे कई राष्ट्रीय संरक्षण परियोजनाओं, विशेष रूप से प्रोजेक्ट टाइगर, प्रोजेक्ट हाथी, मगरमच्छ प्रजनन और प्रबंधन परियोजना, आदि द्वारा मजबूत किया गया है।
- भारत के प्रधान मंत्री की अध्यक्षता में **राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड (National Board for Wildlife- NBWL),** देश में वन्यजीव संरक्षण के लिए नीतिगत रूपरेखा प्रदान करता है।
- वनों और वन्य जीवन के विषय को भारतीय संविधान के समवर्ती सूची में शामिल किया गया है।

IUCN द्वारा निर्दिष्ट शब्द के अर्थ में, भारत में निम्नलिखित प्रकार के संरक्षित क्षेत्र हैं:

- राष्ट्रीय उद्यान (National Parks)
- वन्यजीव अभयारण्य (Wildlife sanctuaries)
- बायोस्फीयर रिजर्व (Biosphere Reserves)
- आरक्षित और संरक्षित वन (Reserved and Protected Forests)
- संरक्षण रिजर्व और सामुदायिक रिजर्व (Conservation Reserves and Community Reserves)
- निजी संरक्षित क्षेत्र (Private Protected Areas)
- संरक्षण क्षेत्र (Conservation Areas)
- समुद्री संरक्षित क्षेत्र (Marine Protected Areas)

भारत के संरक्षित क्षेत्र

	संख्या	कुल क्षेत्रफल (किमी ^{2})	देश का कवरेज%
राष्ट्रीय उद्यान	104	40501.03	1.23
वन्यजीव अभयारण्य	544	118931.80	3.62
संरक्षण रिजर्व	77	2594.03	0.08
सामुदायिक रिजर्व	46	72.61	0.002
संरक्षित क्षेत्र	771	162099.47	4.93

राष्ट्रीय उद्यान(NATIONAL PARK)

एक क्षेत्र, चाहे वह किसी अभयारण्य के अन्दर हो या नहीं, राज्य सरकार द्वारा राष्ट्रीय उद्यान के रूप में गठित करने के लिए अधिसूचित किया जा सकता है, अगर ऐसा प्रतीत होता है कि इसके पारिस्थितिक, वन्यजीवों या उसके पर्यावरण का प्रचार या विकास करने के लिए जीव-जंतु, पुष्प, भू-आकृति विज्ञान, या प्राणीशास्त्रीय संघ या महत्व के कारण, इसकी रक्षा के उद्देश्य के लिए यह आवश्यक है। ।

- सूची IV, WPA 1972 में दी गई शर्तों के तहत राज्य के मुख्य वन्यजीव वार्डन द्वारा अनुमति के अलावा किसी भी राष्ट्रीय उद्यान के अंदर किसी भी मानव गतिविधि की अनुमति नहीं है।
- वर्तमान में, भारत में 104 मौजूदा राष्ट्रीय उद्यान हैं, जो 40,501 किमी^{2} के क्षेत्र को कवर करते हैं, जो देश के भौगोलिक क्षेत्र का 1.23% (राष्ट्रीय वन्यजीव डेटाबेस, मई 2019) है।
- राज्य सरकार 1972 के वन्य जीवन (संरक्षण) अधिनियम (WPA) के तहत एक राष्ट्रीय उद्यान घोषित कर सकती है।
- कानून के अंतर्गत, एक अभयारण्य से राष्ट्रीय उद्यान के संरक्षण में अंतर WPA 1972 में निर्दिष्ट नहीं है।

राष्ट्रीय उद्यानों की सूची

क्रमांक	राज्य / संरक्षित क्षेत्र का नाम	स्थापना वर्ष	क्षेत्र (किमी^{2})	जिला
	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह			
1	कैंपबेल खाड़ी राष्ट्रीय उद्यान	1992	426.23	निकोबार
2	गैलाथिया खाड़ी राष्ट्रीय उद्यान	1992	110.00	निकोबार
3	महात्मा गांधी मरीन (वांडूर) राष्ट्रीय उद्यान	1983	281.50	अंडमान
4	मध्य बेटन द्वीप राष्ट्रीय उद्यान	1987	0.44	अंडमान

5	माउंट हैरियट राष्ट्रीय उद्यान	1987	46.62	अंडमान
6	नॉर्थ बेटन आईलैंड राष्ट्रीय उद्यान	1987	0.44	अंडमान
7	रानी झांसी मरीन राष्ट्रीय उद्यान	1996	256.14	अंडमान
8	सैडल पीक राष्ट्रीय उद्यान	1987	32.54	अंडमान
9	दक्षिण बटन द्वीप राष्ट्रीय उद्यान	1987	0.03	अंडमान
	आंध्र प्रदेश			
1	पापिकोंडा राष्ट्रीय उद्यान	2008	1012.86	पूर्व और पश्चिम गोदावरी
2	राजीव गांधी राष्ट्रीय उद्यान(रामेश्वरम)	2005	2.40	कडपा
3	श्री वेंकटेश्वर राष्ट्रीय उद्यान	1989	353.62	चित्तूर और कडप्पा
	अरुणाचल प्रदेश			
1	मौलिंग राष्ट्रीय उद्यान	1986	483.00	अपर सियांग
2	नामदापा राष्ट्रीय उद्यान	1983	1807.82	चांगलांग
	असम			
1	डिब्रू-साइखोवा राष्ट्रीय उद्यान	1999	340.00	तिनसुकिया और डिब्रूगढ़
2	काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान	1974	858.98	गोलाघाट, नागांव और सोनितपुर
3	मानस राष्ट्रीय उद्यान	1990	500.00	बारपेटा और बोंगईगांव
4	नमेरी राष्ट्रीय उद्यान	1998	200.00	सोनितपुर
5	राजीव गांधी ओरंग राष्ट्रीय उद्यान	1999	78.81	दरांग और सोनितपुर
	बिहार			
1	वाल्मीकि राष्ट्रीय उद्यान	1989	335.65	पश्चिम चंपारण
	छत्तीसगढ़			
1	गुरु घासीदास (संजय) राष्ट्रीय उद्यान	1981	1440.71	सर्गुजा और कोरिया
2	इंद्रावती (कुटरू) राष्ट्रीय उद्यान	1982	1258.37	दंतेवाड़ा
3	कांगेर वैली राष्ट्रीय उद्यान.	1982	200.00	बस्तर
	गोवा			
1	मोलेम ने राष्ट्रीय उद्यान	1992	107.00	उत्तर गोवा

	गुजरात			
1	वंसदा राष्ट्रीय उद्यान	1979	23.99	नवसारी
2	ब्लैकबक (वेलवदर) राष्ट्रीय उद्यान	1976	34.53	भावनगर
3	गिर राष्ट्रीय उद्यान	1975	258.71	जूनागढ़
4	मरीन (कच्छ की खाड़ी) राष्ट्रीय उद्यान	1982	162.89	जामनगर
			.	
	हरियाणा			
1	कलेसर राष्ट्रीय उद्यान	2003	46.82	यमुनानगर
2	सुल्तानपुर राष्ट्रीय उद्यान	1989	1.43	गुडगाँव
	हिमाचल प्रदेश			
1	महान हिमालयन राष्ट्रीय उद्यान	1984	754.40	कुल्लू
2	इंद्रकिला राष्ट्रीय उद्यान	2010	104.00	कुल्लू
3	खिरगंगा राष्ट्रीय उद्यान	2010	710.00	कुल्लू
4	पिन वैली राष्ट्रीय उद्यान	1987	675.00	लाहौल-स्पीति
5	सिम्बलबारा राष्ट्रीय उद्यान	2010	27.88	सिरमौर
	जम्मू और कश्मीर			
1	सिटी फॉरेस्ट (सलीम अली) राष्ट्रीय उद्यान	1992	9.00	श्रीनगर
2	दाचीगाम राष्ट्रीय उद्यान	1981	141.00	श्रीनगर और पुलवामा
3	हेमिस राष्ट्रीय उद्यान	1981	3350.00	लेह
4	किश्तवाड़ राष्ट्रीय उद्यान	1981	425.00	किश्तवाड़ और डोडा
	झारखंड			
1	बेतला राष्ट्रीय उद्यान	1986	226.33	लातेहार
	कर्नाटक			
1	अंशी राष्ट्रीय उद्यान	1987	417.34	त्तरा कन्नड़
2	बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान	1974	874.20	मैसूर और चामराजनगर
3	बन्नेरघट्टा राष्ट्रीय उद्यान	1974	260.51	बैंगलोर
4	कुद्रेमुख राष्ट्रीय उद्यान	1987	600.32	दक्षिण कन्नड़, उडीपी और चिकमगलूर

5	नागरहोल (राजीव गांधी) राष्ट्रीय उद्यान	1988	643.39	कोडागु और मैसूर
	केरल			
1	अनमुदी शोला राष्ट्रीय उद्यान	2003	7.50	इडुक्की
2	एराविकुलम राष्ट्रीय उद्यान	1978	97.00	इडुक्की
3	मथिकेटन शोला राष्ट्रीय उद्यान.	2003	12.82	इडुक्की
4	पंबादम शोला राष्ट्रीय उद्यान	2003	1.32	इडुक्की
5	पेरियार राष्ट्रीय उद्यान	1982	350.00	इडुक्की और क्विलोन
6	साइलेंट वैली राष्ट्रीय उद्यान	1984	89.52	पलक्कड़
	मध्य प्रदेश			
1	बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान	1968	448.85	उमरिया और कटनी
2	जीवाश्म(Fossi) राष्ट्रीय उद्यान.	1983	0.27	मंडला
3	इंदिरा प्रियदर्शिनी पेंच राष्ट्रीय उद्यान	1975	292.85	सिवनी और छिंदवाड़ा
4	कान्हा राष्ट्रीय उद्यान	1955	940.00	मंडला, बालाघाट और डिंडोरी
5	माधव राष्ट्रीय उद्यान	1959	375.22	शिवपुरी
6	पन्ना राष्ट्रीय उद्यान	1981	542.67	पन्ना और छतरपुर
7	संजय राष्ट्रीय उद्यान	1981	466.88	सीधी
8	सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान	1981	585.17	होशंगाबाद
9	वन विहार राष्ट्रीय उद्यान एनपी	1979	4.45	भोपाल
10	डायनासोर राष्ट्रीय उद्यान	2010	0.8974	धार जिला, म.प्र
	महाराष्ट्र			
1	चंदौली राष्ट्रीय उद्यान	2004	317.67	सांगली, सतारा, कोल्हापुर, रत्नागिरी
2	गुगामल राष्ट्रीय उद्यान	1975	361.28	अमरावती
3	नवागांव राष्ट्रीय उद्यान	1975	133.88	भंडारा (गोंदिया)
4	पेंच (जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय उद्यान	1975	257.26	नागपुर
5	संजय गांधी (बोरिविलि) राष्ट्रीय उद्यान	1983	86.96	ठाणे और मुंबई
6	तडोबा राष्ट्रीय उद्यान	1955	116.55	चंद्रपुर
	मणिपुर			

1	कीबुल-लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान	1977	40.00	बिश्नुपुर
	मेघालय			
1	बलफ्राम राष्ट्रीय उद्यान	1985	220.00	दक्षिण गारो हिल्स
2	नोकरेक रिज राष्ट्रीय उद्यान	1986	47.48	ईस्ट गारो हिल्स
	मिजोरम			
1	मुरलेन राष्ट्रीय उद्यान	1991	100.00	चम्फाई
2	फावंगपुई ब्लू माउंटेन राष्ट्रीय उद्यान	1992	50.00	लौंगत्लाइ
	नगालैंड			
1	इंटक राष्ट्रीय उद्यान	1993	202.02	दीमापुर
	ओडिशा			
1	भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान	1988	145.00	केंद्रपाड़ा
2	सिमलिपाल राष्ट्रीय उद्यान	1980	845.70	मयूरभंज
	राजस्थान			
1	मुकुंदरा हिल्स राष्ट्रीय उद्यान	2006	200.54	कोटा और चित्तौड़गढ़
2	डेजर्ट राष्ट्रीय उद्यान	1992	3162.00	बाड़मेर और जैसलमेर
3	केवलादेव घाना राष्ट्रीय उद्यान	1981	28.73	भरतपुर
4	रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान	1980	282.00	सवाई माधोपुर
5	सरिस्का राष्ट्रीय उद्यान	1992	273.80	अलवर
	सिक्किम			
1	खंगचेंडज़ोंगा राष्ट्रीय उद्यान	1977	1784.00	उत्तर सिक्किम
	तमिलनाडु			
1	गुइंडी राष्ट्रीय उद्यान	1976	2.82	चेन्नई
2	मन्नार की खाड़ी समुद्री राष्ट्रीय उद्यान	1980	6.23	रमानाथपुरम और तूतीकोरिन
3	इंदिरा गांधी (अन्नामलाई) राष्ट्रीय उद्यान	1989	117.10	कोयंबटूर
4	मुदुमलाई राष्ट्रीय उद्यान	1990	103.23	नीलगिरी

5	मुकुर्ती राष्ट्रीय उद्यान	1990	78.46	नीलगिरी
	तेलंगाना			
1	कसुब्रह्मानंद रेड्डी राष्ट्रीय उद्यान	1994	1.43	हैदराबाद
2	महावीर हरिनावनस्थली राष्ट्रीय उद्यान	1994	14.59	रंगा रेड्डी
3	मृगवाणी राष्ट्रीय उद्यान	1994	3.60	रंगा रेड्डी
	त्रिपुरा			
1	क्लाउडेड तेंदुआ राष्ट्रीय उद्यान	2007	5.08	पश्चिम त्रिपुरा
2	बाइसन (राजबाड़ी) राष्ट्रीय उद्यान	2007	31.63	दक्षिण त्रिपुरा
	उत्तर प्रदेश			
1	दुधवा राष्ट्रीय उद्यान	1977	490.00	लखीमपुर-खेरी
	उत्तराखंड			
1	कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान	1936	520.82	नैनीताल और पौड़ी गढ़वाल
2	गंगोत्री राष्ट्रीय उद्यान	1989	2390.02	उत्तरकाशी
3	गोविंद राष्ट्रीय उद्यान	1990	472.08	उत्तरकाशी
4	नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान	1982	624.60	चमोली
5	राजाजी ए राष्ट्रीय उद्यान	1983	820.00	देहरादून, पौड़ी गढ़वाल और हरिद्वार
6	फूलों की घाटी राष्ट्रीय उद्यान.	1982	87.50	चमोली
	पश्चिम बंगाल			
1	बक्सा राष्ट्रीय उद्यान	1992	117.10	जलपाईगुड़ी
2	गोरूमारा राष्ट्रीय उद्यान	1992	79.45	जलपाईगुड़ी
3	जलदापारा राष्ट्रीय उद्यान	2014	216.51	जलपाईगुड़ी
4	नीरा वैली ए राष्ट्रीय उद्यान न.पी.	1986	159.89	दार्जिलिंग
5	सिंगलिला राष्ट्रीय उद्यान	1986	78.60	दार्जिलिंग
6	सुंदरबन राष्ट्रीय उद्यान	1984	1330.10	उत्तर और दक्षिण 24-परगना

वन्यजीव अभयारण्य और राष्ट्रीय उद्यान में अंतर

- वन्यजीव अभयारण्य और राष्ट्रीय उद्यान के बीच मुख्य अंतर यह है कि राष्ट्रीय उद्यान में मानव गतिविधियों की अनुमति नहीं होती है।
- दूसरी ओर, अभयारण्य की सीमा के भीतर कुछ सीमित मानवीय गतिविधियों के अधिकार प्रदान किए जाते हैं।
- राष्ट्रीय उद्यानों की एक उचित सीमा होती है, जबकि वन्यजीव अभयारण्यों में आमतौर पर ठीक से चिह्नित सीमाएं नहीं होती हैं।
- स्वामित्व अधिकारों के संदर्भ में, में वन्यजीव अभयारण्य कोई निजी स्वामित्व अधिकारों को बरकरार रख सकता है यदि यह वन्यजीव संरक्षण के कारण को प्रभावित नहीं कर रहा है। दूसरी ओर, राष्ट्रीय उद्यान में किसी भी प्रकार के निजी स्वामित्व अधिकार मौजूद नहीं होते हैं।
- अभयारण्य को राष्ट्रीय उद्यान में अपग्रेड किया जा सकता है लेकिन इसके विपरीत राष्ट्रीय उद्यान को अभयारण्य नहीं बनाया जा सकता है।

वन्यजीव अभ्यारण्य (WILDLIFE SANCTUARY-WLS)

किसी भी आरक्षित वन या प्रादेशिक जल से युक्त क्षेत्र के अलावा किसी भी क्षेत्र को राज्य सरकार द्वारा एक अभयारण्य के रूप में गठित करने के लिए अधिसूचित किया जा सकता है, यदि ऐसा क्षेत्र पर्याप्त पारिस्थितिक, वन्यजीव या उसके पर्यावरण की रक्षा, प्रचार या विकास के उद्देश्य से उसके जीवजंतु, पुष्प, भू-आकृति विज्ञान, प्राकृतिक या प्राणिविज्ञान महत्व, अभयारण्य क्षेत्र के अंदर उनका संरक्षण आवश्यक हो।

- कुछ प्रतिबंधित मानव गतिविधियों की अनुमति प्रदान करता है, जिनका विवरण सूची IV, WPA 1972 में दिया गया है।
- वर्तमान में भारत में 500 से अधिक वन्यजीव अभयारण्य हैं, जो 118,918 किमी^{2} के क्षेत्र को कवर करते हैं, जो देश के भौगोलिक क्षेत्र का 3.62% (राष्ट्रीय वन्यजीव डेटाबेस, जून, 2017) है।
- एक **वन्यजीव आश्रय स्थल**, जिसे एक **वन्यजीव अभयारण्य** भी कहा जाता है, एक प्राकृतिक रूप से उत्पन्न होने वाला अभयारण्य है, जैसे कि एक द्वीप, जो शिकार, शिकारी या प्रतिस्पर्धा से प्रजातियों को सुरक्षा प्रदान करता है। यह एक संरक्षित क्षेत्र है, यह ऐसा भौगोलिक क्षेत्र है जिसके भीतर वन्यजीव संरक्षित है या वह क्षेत्र जिसमें पारिस्थितिक, जीव-जंतु, पुष्प, भू-आकृति विज्ञान, प्राकृतिक या प्राणिविज्ञान के लिए महत्वपूर्ण है।
- **वन्यजीव अभयारण्य का उद्देश्य -** वन्यजीवों या इसके पर्यावरण की रक्षा, प्रसार या विकास करना। इन्हें IUCN श्रेणी 4 के अंतर्गत रखा जाता है। राज्य सरकार द्वारा वन्य क्षेत्रों के अभयारण्यों के रूप में कुछ क्षेत्रों जो पर्याप्त पारिस्थितिक, भू-आकृति और प्राकृतिक महत्व की है उनकी घोषणा करने के लिए 1972 का वन्य जीवन (संरक्षण) अधिनियम प्रदान किया गया था।
- केंद्र सरकार भी कुछ शर्तों के तहत इसे अभयारण्य घोषित कर सकता है।
- अभयारण्य के अंदर रहने वाले लोगों को कुछ अधिकार दिए जा सकते है।

- अभयारण्य के अंदर बस्तियों की अनुमति नहीं है (कुछ अपवाद - आदिवासी बस्तियां मौजूद हैं, लेकिन उन्हें स्थानांतरित करने के प्रयास किए जाते हैं)।
- एक अभयारण्य को राष्ट्रीय उद्यान में परिवर्तित किया जा सकता है।

अभयारण्य और राष्ट्रीय उद्यान के लिए सामान्य प्रावधान

राज्य सरकार द्वारा संरक्षित क्षेत्र की घोषणा

प्रारंभिक अधिसूचना

- राज्य सरकार, अधिसूचना द्वारा, अभयारण्य / राष्ट्रीय उद्यान के रूप में किसी भी आरक्षित वन के भीतर या बाहर किसी भी क्षेत्र का गठन करने की घोषणा कर सकती है यदि वह यह मानती है कि ऐसा क्षेत्र वन्य जीवन या उसके पर्यावरण की रक्षा, प्रचार या विकास के उद्देश्य से पर्याप्त है।

अंतिम अधिसूचना

- इस अधिसूचना में राज्य सरकार उस क्षेत्र की सीमा को निर्दिष्ट करती है जो अभयारण्य के भीतर समाहित किया जाएगा और यह घोषणा करेगा कि उक्त क्षेत्र ऐसी तारीख से अभयारण्य / राष्ट्रीय उद्यान होगा जो अधिसूचना में निर्दिष्ट किया गया है।

केंद्र सरकार द्वारा संरक्षित क्षेत्र की घोषणा -

केंद्र सरकार अधिसूचना द्वारा अभयारण्य / राष्ट्रीय उद्यान के रूप में एक क्षेत्र घोषित कर सकती है यदि वह संतुष्ट है कि एक क्षेत्र वन्य जीवन या उसके संरक्षण, प्रचार या विकास के उद्देश्य के लिए पर्याप्त पारिस्थितिक, जीवजंतु, पुष्प, भू-आकृति विज्ञान, प्राकृतिक या प्राणिविज्ञान महत्व का है।

सीमा

- यह अधिसूचना ऐसे क्षेत्र की स्थिति और सीमा को निर्दिष्ट करेगी।
- ऐसे मामलों में जहां क्षेत्रीय जल शामिल है, स्थानीय मछुआरों के व्यावसायिक हितों की रक्षा के लिए पर्याप्त उपाय करने के बाद, इस सीमा का निर्धारण केंद्र सरकार के **मुख्य नौसेना हाइड्रोग्राफर** के परामर्श से निर्धारित की जाएगी।
- इन वन्य जीवन के लिए राष्ट्रीय बोर्ड की सिफारिश के अलावा एक अभयारण्य / राष्ट्रीय उद्यान की सीमाओं का कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा।

अधिकारों की वैकल्पिक व्यवस्था

- सरकार के रिकॉर्ड के अनुसार, उनके अधिकारों के संदर्भ में, प्रभावित व्यक्तियों को ईंधन, चारा और अन्य वन उपज की वैकल्पिक व्यवस्था करने की जिम्मेदारी राज्य सरकार की है।

- राज्य सरकार अधिनियम के तहत एक अधिकारी को एक कलेक्टर के रूप में नियुक्त करती है, जो अभयारण्य / राष्ट्रीय उद्यान के भीतर शामिल भूमि के अंदर या उससे अधिक भूमि के अस्तित्व, प्रकृति और सीमा के बारे में पूछताछ करने और निर्धारित करता है, जिसे अधिसूचित किया जाना है।
- अधिसूचना के जारी होने के बाद उत्तराधिकार, वसीयतनामा या अंतर्राज्य को छोड़कर निर्दिष्ट क्षेत्र की सीमा के भीतर शामिल जमीन पर या उसके ऊपर कोई अधिकार प्राप्त नहीं किया जाएगा।

अधिकारों का दावा

- कलेक्टर पूरे या हिस्से में एक भाग को मानने या खारिज करने का आदेश पारित करेगा।
- यदि इस तरह के दावे को पूरे या आंशिक रूप से स्वीकार किया जाता है, तो कलेक्टर कर सकता है
  a) प्रस्तावित अभयारण्य की सीमा से ऐसी भूमि को बाहर करना
  या
  b) ऐसी भूमि या अधिकार प्राप्त करने के लिए आगे बढ़ाना
  c) मुख्य वाइल्ड लाइफ वार्डन के परामर्श से, अभयारण्य की सीमा के भीतर या उसके अंदर किसी भी व्यक्ति के किसी भी अधिकार के जारी रहने की अनुमति प्रदान करना

संरक्षित क्षेत्र में प्रवेश

- इसके अलावा कोई व्यक्ति संरक्षित क्षेत्र में प्रवेश नहीं कर सकता है -
  a) एक लोक सेवक ड्यूटी पर
  b) एक व्यक्ति जिसे वाइल्ड लाइफ वार्डन या प्राधिकृत अधिकारी द्वारा अभयारण्य / राष्ट्रीय उद्यान की सीमा के भीतर रहने की अनुमति दी गई है
  c) एक व्यक्ति जो अभयारण्य / राष्ट्रीय उद्यान की सीमा के भीतर अचल संपत्ति पर कोई अधिकार रखता है
  d) अभयारण्य / राष्ट्रीय उद्यान से गुजरने वाला व्यक्ति एक सार्वजनिक राजमार्ग के किनारे
  e) उपरोक्त खंड (a), (b) या (c) में निर्दिष्ट व्यक्ति के आश्रित
- दिए गए परमिट की शर्तों के अनुसार, कोई भी अभयारण्य / राष्ट्रीय उद्यान में प्रवेश या निवास करेगा।

संरक्षण रिजर्व और सामुदायिक रिजर्व (CONSERVATION RESERVE AND COMMUNITY RESERVES)

संरक्षण रिजर्व और सामुदायिक रिजर्व, भारत के संरक्षित क्षेत्रों को चिह्नित करने वाले शब्द हैं जो आमतौर पर स्थापित राष्ट्रीय उद्यानों, वन्यजीव अभयारण्यों और भारत के आरक्षित और संरक्षित जंगलों के बीच **बफर जोन** के रूप में कार्य करते हैं।

- ऐसे क्षेत्रों को संरक्षण क्षेत्रों के रूप में नामित किया जाता है, अगर वे निर्जन और पूरी तरह से भारत सरकार के स्वामित्व में हैं, लेकिन समुदायों और सामुदायिक क्षेत्रों द्वारा निर्वाह के लिए उपयोग किया जाता है, अगर भूमि के कुछ हिस्सों का निजी स्वामित्व है।
- इन संरक्षित क्षेत्र श्रेणियों को पहली बार 2002 के वन्यजीव (संरक्षण) संशोधन अधिनियम, 1972 के वन्यजीव संरक्षण अधिनियम में संशोधन के रूप में पेश किया गया था।

संरक्षण रिजर्व (Conservation Reserves)

- किसी भी क्षेत्र में राज्य सरकार द्वारा घोषित किया जा सकता है जो कि केंद्र सरकार विशेष रूप से राष्ट्रीय उद्यान और वन्यजीव अभयारण्यों के निकटवर्ती क्षेत्र या उन क्षेत्रों के स्वामित्व में है जो संरक्षित क्षेत्र से जुड़े हैं।
- ये क्षेत्र स्थानीय समुदायों के साथ परामर्श के बाद घोषित किए जाते हैं।
- उद्देश्य - वनस्पतियों और जीवों और उनके आवास की रक्षा करना
- इन क्षेत्र के अंदर रहने वाले लोगों के अधिकार प्रभावित नहीं होते हैं।
- देश में स्थापित प्रथम संरक्षण रिजर्व - **तिरुप्पदीमारथुर संरक्षण भंडार तिरुनेलवेली**, तमिलनाडु। (पक्षी के घोंसले को बचाने के लिए)

सामुदायिक रिजर्व (Community Reserves)

किसी भी निजी या सामुदायिक भूमि को राज्य सरकार द्वारा घोषित किया जा सकता है, जिसमें यह शामिल नहीं है।

- एक राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभयारण्यों या संरक्षण रिजर्व के भीतर, जहां एक व्यक्ति या एक समुदाय ने स्वेच्छा से वन्यजीवों और उसके निवास स्थान का संरक्षण किया है।
- उद्देश्य - जीव, वनस्पतियों और पारंपरिक या सांस्कृतिक संरक्षण मूल्यों और प्रथाओं की रक्षा करना।
- इन क्षेत्र के अंदर रहने वाले लोगों के अधिकार प्रभावित नहीं होते हैं।
- प्रबंधित - सामुदायिक रिजर्व प्रबंधन समिति द्वारा।
- प्रबंधन समिति द्वारा पारित एक प्रस्ताव के अनुसार और राज्य सरकार द्वारा उसी के अनुमोदन के अलावा, भूमि उपयोग पैटर्न में कोई बदलाव सामुदायिक रिजर्व के भीतर नहीं किया जाएगा।

IUCN वर्गीकरण (IUCN CATEGORIZATION)

राष्ट्रीय उद्यान (IUCN श्रेणी II)

- राष्ट्रीय उद्यान (IUCN श्रेणी II) अपने आकार में जंगल क्षेत्र के समान है और इसका मुख्य उद्देश्य कार्यशील पारिस्थितिक तंत्र की रक्षा करना है। हालांकि, राष्ट्रीय पार्क मानव यात्रा और इसके सहायक बुनियादी ढांचे के साथ अधिक उदार हैं। राष्ट्रीय उद्यानों को इस तरह से प्रबंधित किया जाता है जो शैक्षिक और मनोरंजक पर्यटन को बढ़ावा देने के माध्यम से स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं में योगदान कर सकते हैं और साथ ही संरक्षण प्रयासों की प्रभावशीलता को कम नहीं करेगा।

वन्यजीव अभयारण्य (IUCN श्रेणी IV)

- एक निवास स्थान या प्रजाति प्रबंधन क्षेत्र (IUCN श्रेणी IV) एक प्राकृतिक स्मारक या विशेषता के समान है, लेकिन यह संरक्षण के अधिक विशिष्ट क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करता है (हालांकि इसका आकार आवश्यक रूप से इसकी विशिष्ट विशेषता नहीं है), एक प्राकृतिक विशेषता की तुलना में इसे एक पहचान योग्य प्रजातियों या निवास स्थान को सुरक्षा की आवश्यकता होती है

बायोस्फीयर रिजर्व (IUCN श्रेणी V के अनुरूप यूनेस्को पदनाम)

- एक संरक्षित भू-दृश्य या संरक्षित समुद्र (आईयूसीएन श्रेणी V) एक स्पष्ट प्राकृतिक संरक्षण योजना के साथ भूमि या महासागर को कवर करता है, लेकिन आमतौर पर यह लाभ के लिए कई गतिविधियों को समायोजित करता है।

संरक्षण रिजर्व और सामुदायिक रिजर्व (IUCN श्रेणी V और VI क्रमशः)

- हालांकि, इन संरक्षित क्षेत्रों के प्रबंधन में मानव भागीदारी एक बड़ा कारक है, लेकिन इस घटनाक्रम का मकसद औद्योगिक उत्पादन के लिए अनुमति देना नहीं है। IUCN अनुशंसा करता है कि भूमि का अनुपात अपनी प्राकृतिक स्थिति में बना रहे - एक राष्ट्रीय स्तर पर किया जाने वाला निर्णय, आमतौर पर प्रत्येक संरक्षित क्षेत्र की विशिष्टता के साथ शासन को विविध-और संभवतः बढ़ते-बढ़ते हितों के अनुकूल बनाने के लिए विकसित किया जाना है, जो स्थायी प्राकृतिक संसाधनों के उत्पादन से उत्पन्न होते हैं।

तटीय संरक्षित क्षेत्र या समुद्री संरक्षित क्षेत्र (COASTAL PROTECTED AREAS OR MARINE PROTECTED AREAS (MPA))

- संरक्षित समुद्री क्षेत्र, समुद्र का वह क्षेत्र होता है जहां शोषणकारी मानव गतिविधियों और हस्तक्षेप सख्ती से राष्ट्रीय उद्यानों, अभयारण्यों और जीवमंडल रिजर्व की तरह नियंत्रित की जाती है। स्थानीय, राज्य, क्षेत्रीय, देशी, क्षेत्रीय, या राष्ट्रीय अधिकारियों द्वारा प्राकृतिक या ऐतिहासिक समुद्री संसाधनों के लिए इन स्थानों को विशेष सुरक्षा दी जाती है।
- IUCN MPA की परिभाषा के अनुसार - "कोई भी क्षेत्र अंतःविषय या उप-ज्वार का क्षेत्र, जिसके पानी और उससे जुड़ी वनस्पतियाँ, जीव-जंतु, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विशेषताएं, जिन्हें कानून या अन्य प्रभावी साधनों द्वारा संरक्षित किया गया है ताकि वे भाग या सभी संलग्न पर्यावरण की रक्षा कर सकें"
- भारत में समुद्री उत्पादकता कोरल रीफ्स, लैगून, मैंग्रोव, ज्वारनद और सीग्रास बेड के छोटे क्षेत्रों में केंद्रित है। वे समृद्ध भोजन और मछली को प्रजनन स्थल एवं अन्य समुद्री जीवन प्रदान करते हैं।

MPA वर्गीकरण

- **श्रेणी- I -** राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभयारण्यों को शामिल करता है और पूरे क्षेत्र में इंटरटाइडल / सब-ज्वारीय या मैंग्रोव, कोरल रीफ्स, क्रीक्स, सीग्रास बेड, अल्गल बेड, इस्ट्यूरीज, लैगून हैं।
- **श्रेणी- II** - इसमें द्वीपों को शामिल किया गया हैं
- **श्रेणी- III A** - इसमें रेतीले समुद्र तट शामिल किए गए हैं
- **श्रेणी –III B** - इसमें द्वीपों के सदाबहार वन या अर्ध सदाबहार वन को शामिल किए गए हैं
  - प्रायद्वीपीय भारत में समुद्री संरक्षित क्षेत्रों की सूची संख्या मे- 25
  - भारत के द्वीपों में समुद्री संरक्षित क्षेत्रों की सूची संख्या में-106
  - कच्छ की खाड़ी में समुद्री राष्ट्रीय उद्यान और समुद्री अभयारण्य एक इकाई (एक MPA) बनाता है।

- भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान और भितरकनिका अभयारण्य एक MPA का अभिन्न अंग हैं।

अंटार्कटिका के रॉस सागर को पृथ्वी के सबसे प्राचीन समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा के लिए विश्व का सबसे बड़ा समुद्री संरक्षित क्षेत्र (MPA) घोषित किया गया था। यह 24 देशों और यूरोपीय संघ के अंटार्कटिक मरीन लिविंग रिसोर्सेज के संरक्षण (CCAMLR), होबार्ट, ऑस्ट्रेलिया में बैठक के बीच ऐतिहासिक अंतरराष्ट्रीय समझौते के बाद घोषित किया गया था।

- रॉस सागर दुनिया में अंतिम बरकरार समुद्री पारिस्थितिकी प्रणालियों में से एक है। यह 1.6 मिलियन वर्ग किलोमीटर को कवर करता है।
- रॉस सागर को MPA का दर्जा मिलने पर 35 वर्षों के लिए अपने क्षेत्र के लगभग तीन चौथाई क्षेत्रों में वाणिज्यिक मछली पकड़ने पर प्रतिबंध लगाएगा।
- दक्षिणी महासागर में रॉस सागर दुनिया के 38% अडेलिए पेंगुइन, दुनिया के 30% अंटार्कटिक पेट्रेल और अंटार्कटिक मिंक व्हेल की दुनिया की लगभग 6% आबादी का आवास है।
- यह क्रिल की विशाल संख्या का घर भी है, व्हेल और सील सहित कई प्रजातियों के लिए यह एक मुख्य भोजन है।

भारत के पवित्र उपवन

यह वनों या प्राकृतिक वनस्पतियों के स्थान हैं- जो कुछ पेड़ों से लेकर कई एकड़ के जंगलों तक फैले होते है- तथा सामान्यतः स्थानीय लोक देवताओं को समर्पित होते हैं। उदाहरण - आम्रपाली ने बुद्ध को आम दान दिया था।

ये स्थान सुरक्षित क्यों हैं?

- यह स्थानीय समुदायों द्वारा संरक्षित है।
- **क्यों-** उनकी धार्मिक मान्यताओं और पारंपरिक अनुष्ठानों के कारण जो कई पीढ़ियों से चलते आ रहे हैं।
- पवित्रता का स्तर – एक, दूसरे में भिन्न है। उदाहरण – कहीं कहीं उपवनों में सूखे पत्ते और गिरे हुए फलों को भी नहीं छुआ जाता है।
- लोगों का मानना है कि किसी भी गड़बड़ी का मतलब स्थानीय देवता से नाराज होना है। उदाहरण -
    - उत्तर-पूर्वी भारत की गारो और खासी जनजाति पवित्र उपवन में किसी भी हस्तक्षेप को पूरी तरह से निषिद्ध करती हैं।
    - मध्य भारत के गोंड एक पेड़ को काटने पर प्रतिबंध लगाते हैं, लेकिन गिरे हुए हिस्सों को इस्तेमाल करने की अनुमति देते हैं।

पवित्र उपवनों का वर्गीकरण

- पारंपरिक पवित्र उपवन - यह वह स्थान है जहां ग्राम देवता निवास करते हैं, जिन्हें एक प्राथमिक प्रतीक द्वारा दर्शाया गया है।
- मंदिर- यहाँ एक मंदिर के चारों ओर एक उपवन बनाया गया है और उन्हें संरक्षित किया गया है।

- दफ़नाने या श्मशान को चारों ओर से घेरना।

पारिस्थितिक महत्व

- जैव विविधता का संरक्षण - यह पुष्प और पशु विविधता के महत्वपूर्ण भंडार हैं।
- एक्वीफर्स का पुनर्भरण – यह अक्सर तालाबों, नदियों या झरनों से जुड़े होते हैं जो स्थानीय लोगों की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।
- मृदा संरक्षण - पवित्र पेड़ों की वनस्पति मृदा संरक्षण को रोकती है।

भारत में पवित्र पेड़ों का वितरण

- पूरे भारत में पाया जाता है
- साथ साथ - केरल और कर्नाटक के पश्चिमी घाट में।

पवित्र उपवनों को खतरा

- पारंपरिक विश्वास प्रणाली (अब केवल अंधविश्वास माना जाता है) का तिरस्कार जो पवित्र स्थलों की अवधारणा के लिए मूल सिद्धांत थे।
- कई ग्रैब्यूशन + विकासात्मक हस्तक्षेप + अतिक्रमण के कारण नष्ट हो गए हैं।
- "संस्कृतिकरण (सामाजिक परिवर्तन)" या प्रकृति के आदिम रूपों का औपचारिक मंदिर पूजा में रूपांतरण
- Eupatoritun odoratum, Lantana camara और Prosopis juliflora जैसे विदेशी खरपतवार द्वारा आक्रमण कुछ पेड़ों के लिए एक गंभीर खतरा है।
- बढ़ते पशुधन और ईंधन के संग्रह के कारण इन पर दबाव बढ़ा है।

पवित्र उपवनों की सूची

क्रमांक	राज्य	सेक्रेड ग्रोव्स के लिए स्थानीय शब्द	पवित्र पेड़ों की संख्या
1	आंध्र प्रदेश	पविथ्रावना	580
2	अरुणाचल प्रदेश	गुम्पा वन (बौद्ध मठों से जुड़े)	101
3	गोवा	देवरई, पन्ना	55
4	झारखंड	सरना	29
5	कर्नाटक	देवर कडु	1531
6	केरल	कावु, सारा कावु	299
7	महाराष्ट्र	देवराय, देवराती, देवगुड़ी	2820
8	मणिपुर	गमखप, मौहक (पवित्र बांस भंडार)	166
9	मेघालय	की लॉ लिंगदोह, की लॉ कीनटैंग, की लॉ नईम	101

10	ओडिशा	जेहरा, ठाकुरम्मा	169
11	पुडुचेरी	कोविल कडु	108
12	राजस्थान	ओरेंस, केनक्रिस, जोगमाया	560
13	तमिलनाडु	स्वामी शोला, कोइलाकाडु	752
14	उत्तराखंड	देवभूमि, बुग्याल (पवित्र अल्पाइन घास के मैदान)	22
15	पश्चिम बंगाल	गारमथान, हरीथन, जहेरा, सबित्रीथन, संतालपरिथन	39
इसी तरह, कई जल निकायों को लोगों पवित्र मानते है। यह अप्रत्यक्ष रूप से जलीय वनस्पतियों और जीवों के संरक्षण करता है। (उदा- सिक्किम में खेचोप्रिलके)			